राजस्थान बोर्ड

कक्षा-१० | हिंदी-कृतिका



अध्याय - २ | साना-साना हाथ जोड़ि

QUIZ PART-06

1.	लेखिका ने यह यात्रा किस महीने में की थी?	6.	सिक्किम के लोग भारत में मिलकर किस तरह महसूस करते	 ते थे?
	A.		A. उदास	
	B. बैशाख		B. बहुत खुश	
	C. कार्तिक		C. असंतुष्ट	
	D. माघ (B)		D. अलगाववादी	(B)
व्य	<i>ाख्या :</i> लेखिका ने अपनी यात्रा बैशाख महीने में की थी।	व्य	ाख्या : सिक्किम के लोग भारत में मिलकर बहुत खुश महसूर	
2.	सिक्किमी युवती ने लेखिका से अपनी पहचान क्या बताई?		करते थे।	
	A. सिक्किमी	7.	गंगटोक का सही अर्थ क्या बताया गया है?	
	B. भारतीय	-	A. घाटी	
	C. आदिवासी	-	B. नदी	
	D. नेपाली (B)		C. पहाड़	
व्य	<i>ाख्या :</i> सिक्किमी युवती न <mark>े कहा – "नहीं, मैं इंडियन हूँ।"</mark>		D. मैदान	(C)
3.	सैनिकों की छावनी कहाँ <mark>स्थित थी</mark> ?	व्या	ाख्या : गंगटोक का वास्तविक नाम ' <mark>गं</mark> तोक' है, जिसका अर्थ	ਫੈ
	A. नेपाल बॉर्डर पर	И	'पहाड़'।	
	B. चीन बॉर्डर पर	8.	यूमथांग को पर्यटक स्थल बनाने का विचार कब आया?	
	C. पाकिस्तान बॉर्डर पर	1,6	A. सिक्किम भारत में मिलने से पह <mark>ले</mark>	
	D. तासलबान बॉर्डर पर (B)		B. सिक्किम भारत में मिलने के बाद कई वर्षों बाद	
व्य	<i>ाख्या :</i> सैनिकों की छावनी ची <mark>न</mark> बॉर्डर पर स्थित थी।		C. स्वतंत्र सिक्किम काल में	
4.	गंगटोक को पर्यटक स्थल <mark>कि</mark> सने बनाया?		D. अंग्रेजों के शासनकाल में	(B)
	A. कप्तान शेखर दत्ता	व्या	ाख्या : यूमथांग को पर्यटक स्थ <mark>ल ब</mark> नाने का विचार सिक्किम	ſ
	B. कर्नल शेखर दत्ता	-	भारत में मिलने के कई वर्षों बाद आया।	
	C. जनरल शेखर दत्ता	9.	पहाड़ी कुत्ते कब भौंकते हैं?	
	D. सिपाही शेखर दत्ता (A)		A. दिन में	
व्य	ाख्या: गंगटोक को पर्यटक स्थल बनाने का विचार भारतीय सेना		B. चाँदनी रात में	
	के कप्तान शेखर दत्ता का था।		C. सुबह-सुबह	
5.	देवताओं के स्थान को किस नाम से पुकारा गया है?		D. शाम को	(B)
	A. खेदुम	व्या	<i>ाख्या :</i> पहाड़ी कुत्ते केवल चाँदनी रात में भौंकते हैं।	
	B. गंतोक	10.	लेखिका ने किस बात को 'सौंदर्य' कहा?	
	C. कटाओ		A. फूलों की घाटी	
	D. यूमथांग (A)		B. मनुष्य की असमाप्त खोज	
व्य	ाख्या : देवताओं के स्थान को 'खेदुम' कहा गया है, जहाँ गंदगी		C. गंगटोक का दृश्य	
	फैलाना पाप माना जाता है।		D. सैनिकों का जीवन	(B)
		व्या	ाख्या : लेखिका ने मनुष्य की असमाप्त खोज को ही सौंदर्य क	हा है।